वैश्विक व्यापार का नया नेतृत्व कर रहा भारत

अरविंद विरमानी ने भारत की भूमिका को सराहा

व्यापार घाटा घटा, सेवा क्षेत्र ने निभाई भूमिका

नयी दिल्ली, 14 जुलाई (वार्ता) नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने सोमवार को कहा कि भारत न सिर्फ वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, बल्कि उसे नया स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

नीति आयोग द्वारा जारी तीसरे 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' की प्रस्तावना में डॉ. विरमानी ने लिखा है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूदा बदलावों और व्यापार के अलाइनमेंट में तेजी से आ रहे बदलावों के बीच भारत स्थिरतापूर्वक खुद को न सिर्फ एक भागीदार के रूप में मजबूत कर रहा है, बल्कि नये वैश्विक व्यापार ढांचे का स्वरूप तय करने वाली ताकत बन रहा है. उन्होंने कहा कि जहां वैश्विक व्यापार में आंशिक रूप से आर्थिक विलगाव देखा जा रहा है, भारत इससे लाभ पाने की संभावना वाले देश के रूप में उभर रहा है.

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) में देश के व्यापार की समीक्षा की गयी है. इसमें बताया गया है कि तिमाही के दौरान वस्तु निर्यात तीन प्रतिशत बढ़कर 108.7 अरब डॉलर पर और आयात 6.5 फीसदी बढ़कर 187.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया. सेवा क्षेत्र का निर्यात 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 52.3 अरब डॉलर हो गया जिससे व्यापार घाटा कम करने में मदद मिली. यह इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर सेवा-अर्थव्यवस्था में भारत की स्थित मजबूत हो रही है.

रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2024 में डिजिटल माध्यमों से दी गयी सेवाओं में 269 अरब डॉलर के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ी निर्यातक रहा. साल 2014 से हाई-टेक वस्तुओं का निर्यात भी बढ़ा है.

रिपोर्ट जारी करते हुए डॉ. विरमानी ने कहा कि भारत का बढ़ता व्यापार अर्थव्यवस्था की बढ़ती मजबूती की ओर इशारा करता है जो प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और अमेरिका सहित महत्वपूर्ण बाजारों में उपस्थिति बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों में बढ़ोतरी की ओर इशारा करता है.

> नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी .वी .आर . सुब्रमण्यम ने प्रस्तावना में लिखा है कि जिन सेक्टरों में कर लाभ का अंतर मामूली है, वहां भी भारत पिछड़ता हुआ नहीं नजर आ रहा है . बदलते व्यापार वातावरण में भारत के पास अपने मौजूदा लाभों का फायदा उठाकर निर्यात के नये क्षेत्रों में प्रवेश का मौका है . उन्होंने कहा कि एक ऐसे समय में जब भूराजनीतिक बदलावों, प्रौद्योगिकी में बदलाव, नीतिगत अनिश्चितता के कारण वैश्विक व्यापार का स्वरूप बदल रहा है, रिपोर्ट का यह संस्करण नीति निर्माताओं, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र में काम करने वालों से महत्वपूर्ण संसाधन साबित होगा .

शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट

मुंबई, 14 जुलाई (वार्ता) अमेरिका में ट्रम्प सरकार की व्यापार नीति से फैली अनिश्चितताओं और मांग को लेकर बढ़ती चिंता के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला लगातार चौथे दिन सोमवार को जारी रहा.खास कर टेक्नोलॉजी और ऑटो कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के दबाव से बीएसई30 पिछले बंद के मुकाबले 247.01 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82253.46 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 67.55 अंक यानी 0.27 प्रतिशत घट कर 2582.30 अंक पर बंद हुआ.बीएसई सेंसक्स में एशियन पेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, टीसीएस, मारुति, टाटा मोटर, रिलायंस और एचडीएफसी बैंक सहित 20 शेयर गिरावट में बंद हुए.

भारत बनेगा 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

जीसीसी से होगा 0 .5 ट्रिलियन डॉलर योगदान

25 मिलियन लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 14 जुलाई. गोल्डमैन सैक्स के सह-अध्यक्ष गुंजन समदानी ने सोमवार को कहा कि भारत अगले दशक में 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा. इसमें ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का योगदान 0.5 ट्रिलियन डॉलर होगा, जिससे 20-25 मिलियन लोगों को रोजगार मिलेगा.

सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में समदानी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा, और 2035 तक वैश्विक विकास का 65 प्रतिशत उभरते बाजारों से आएगा. उन्होंने भारत के जनसांख्यिकीय लाभ, एसटीईएम स्नातकों और एआई कौशल को प्रमुख कारक बताया.समदानी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को आज के आर्थिक परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी अवसर बताया, जिसके साथ 2025 तक वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च 4.92 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने का अनुमान है.

एलजी ने लॉन्च की 2025 की स्मार्ट टीवी श्रृंखला

अल्फा एआई प्रोसेसर जेन2 से लैस नई सीरीज़

एआई पावर्ड टीवी में वॉइस और चैटबोट फीचर

नई दिल्ली, 14 जुलाई. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भारत में अपनी 2025 की उन्नत ओएलईडी ईवो और क्यूएनईडी ईवो टेलीविज़न श्रृंखला लॉन्च की है. ये एआई-पावर्ड टीवी नवीनतम अल्फा एआई प्रोसेसर जेन2 से लैस हैं, जो व्यक्तिगत अनुभव और शानदार चित्र-ध्वनि गुणवत्ता प्रदान करते हैं.

इन टीवी की मुख्य विशेषता अल्फा एआई प्रोसेसर जेन2 है, जो उपयोगकर्ता के व्यवहार को समझकर अनुभव को अनुकूल बनाता है. एआई मैजिक रिमोट, वॉइस पहचान, सलाहकार, एआई खोज और चैटबोट जैसी सुविधाएँ व्यक्तिगत प्रोफाइल, कंटेंट सुझाव और स्मार्ट समाधान देती हैं. एआई चित्र और ध्वनि सहायक सेटिंग्स को स्वचालित रूप से समायोजित करते हैं.

ओएलईडी ईवो श्रृंखला चमक बढ़ाने वाली अल्टीमेट तकनीक और अल्फा 11 एआई प्रोसेसर जेन2 के साथ तीक्ष्ण दृश्य प्रदान करती है. डॉल्बी विज़न, एटमॉस और एआई साउंड प्रो बेहतरीन ऑडियो-विजुअल अनुभव देते हैं. क्यूएनईडी ईवो मॉडल में सूक्ष्म एलईडी तकनीक एआई प्रसंस्करण और गतिशील रंग समाधान के साथ मिलकर बेहतरीन और जीवंत रंग प्रदान करती है.

> 2025 की यह टीवी श्रृंखला वेबओएस रीन्यू कार्यक्रम के साथ आती है, जिसमें नया ऑपरेटिंग सिस्टम और व्यक्तिगत प्रोफ़ाइल आधारित होम स्क्रीन शामिल है . गेमिंग के लिए, ओएलईडी ईवो टेलीविज़न 4के 165 हर्ट्ज़ ताज़ा दर और गेम ऑप्टिमाइज़र का समर्थन करते हैं . इस 2025 ओएलईडी ईवो श्रृंखला को सीईएस 2025 में 'सर्वश्रेष्ठ नवाचार पुरस्कार' सहित कई सम्मान मिल चुके हैं . एलजी का उद्देश्य तकनीक के ज़रिए लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बनाना है .

थोक महंगाई दर शून्य से नीचे

जून 2025 में डब्ल्यूपीआई -0 .13 प्रतिशत पर पहुँची

लगातार छह माह से गिरावट जारी

नयी दिल्ली, 14 जुलाई (वार्ता) खाद्य वस्तुओं, खनिज तेलों, कच्चा तेल और विनिर्मित मूल धातुओं के भावों में सालाना आधार पर नरमी के चलते थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रा स्फीति जून, 2025 में गिर कर शून्य से 0.13 प्रतिशत नीचे चली गयी.

थोक महंगाई दर में पिछले छह माह से लगातार गिरावट चल रही है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से आज जारी डब्ल्यूपीआई के ताजा आंकड़ों के अनुसार जून माह में सर्व-वस्तु थोक मूल्य सूचकांक 153.8 था. पिछले वर्ष इसी माह थोक मूल्य सूचकांक 153.9 और उस पर आधारित थोक मुद्रास्फीति 3.36 प्रतिशत थी. इस वर्ष मई के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार पिछले माह थोक मुद्रास्फीति 0.39 प्रतिशत थी.

अप्रैल के अंतिम आंकड़ों के अनुसार उस माह थोक मुद्रास्फीति 0.85 प्रतिशत रही जो मई में जारी अनंतिम आंकड़े के ही समान है.

मुद्रास्फीति के शून्य से नीचे जाने का तात्पर्य है कि कुल मिला कर थोक कीमत स्तर पिछली अवधि की तुलना में नीचे गिरा है.

विश्व एक्सपो 2025 में चमकी भारतीय रेल तकनीक

जापानी दर्शकों ने सराही वंदे भारत की रफ्तार

चिनाब ब्रिज ने दिखाई भारत की इंजीनियरिंग ताकत

जापान, 14 जुलाई.जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारतीय रेल की उपलब्धियां दुनियाभर का ध्यान आकर्षित कर रही हैं.

देश की पहली स्वदेशी अत्याधुनिक ट्रेन वंदे भारत और जम्मू-कश्मीर में निर्मित चिनाब ब्रिज एक्सपो में आने वाले आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. एक्सपो में आए जापानी दर्शकों द्वारा भारतीय रेल की इन आधुनिक तकनीकों और नवाचारों की जमकर प्रशंसा की जा रही है. जापान में भारत ने अपनी तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है. वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज भारतीय मंडप में प्रमुख आकर्षण हैं. कई जापानी दर्शक इन प्रदर्शनियों को उत्सुकता से देख रहे हैं, यह जानकर आश्चर्यचकित हैं कि भारत का रेलवे नेटवर्क दुनिया में सबसे बड़ा है और यह कितनी तेजी से आधुनिक व पर्यावरण के अनुकूल बन रहा है. दर्शकों ने भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की भी सराहना की.

> एक्सपो में भारतीय रेलवे की प्रदर्शनी में तकनीक के साथ हो रहे बदलावों को नए सिरे से पेश किया गया है . युमेशिमा नामक एक कृत्रिम द्वीप पर शुरू हुआ यह एक्सपो आगामी 13 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें दुनिया भर से लाखों लोग आ रहे हैं . प्रदर्शनी में नए इलेक्ट्रिक इंजन और हरित तकनीक के साथ चिनाब ब्रिज को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है, जो जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है . इसके साथ ही, भारत का पहला केबल-स्पैन रेल ब्रिज अंजी खड्ड पुल भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है . तेज रफ्तार और आरामदायक सफर के लिए जानी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी खास आकर्षण का विषय हैं .

यूपीआई बना नंबर-1 पेमेंट सिस्टम

वीज़ा को पीछे छोड़ भारत का डिजिटल पावरहाउस सबसे आगे

नई दिल्ली, 14 जुलाई. भारत के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब दुनिया का टॉप रियल टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है.

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने एक्स पर यूपीआई की इस उपलब्धि को एक इंफोग्राफिक के साथ दर्शाया है. उनके द्वारा साझा किए गए यूपीआई आंकड़ों के अनुसार, 650.26 मिलियन डेली ट्रांजैक्शन काउंट के साथ यूपीआई ने वीजा को भी पीछे छोड़ दिया है, जहां वीजा के लिए यह आंकड़ा 639 मिलियन दर्ज किया गया है.

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, भारत का डिजिटल पावरहाउस यूपीआई दुनिया भर में रियल टाइम पेमेंट सिस्टम को लेकर पहले पायदान पर पहुंच चुका है, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक और परिवर्तनकारी उपलब्धि है.

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि यूपीआई का इस्तेमाल वर्तमान में 7 देशों में होता है, जिनमें सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मॉरीशस शामिल है.

हीरो मोटोकॉर्प का यूरोप में बड़ा विस्तार

नयी दिल्ली, 14 जुलाई. दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प तेजी से वैश्विक विस्तार कर रही है और उसकी योजना 2025-26 की दूसरी तिमाही में जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन के बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की है. कंपनी के चेयरमैन पवन मुंजाल ने यह बात कही है.

झमुंजाल ने कंपनी की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि हीरो मोटोकॉर्प भविष्य में निवेश कर रही है - भारत और उससे आगे.

निजी कंपनियों को सीएसआर पर खर्च बढ़ाने की जरूरत : क्रिसिल

नयी दिल्ली, 14 जुलाई (वार्ता) खाड़ी देशों, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में कुशल कामगारों की बढ़ती मांग को देखते हुए निजी कंपनियों को कौशल विकास में खर्च बढ़ाने की जरूरत है, ताकि इस अवसर का लाभ उठाया जा सके.

बाजार अध्ययन कंपनी क्रिसिल की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2014-15 के अब तक देश की निजी कंपनियों ने कौशल विकास पर 2.22 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जो उनके कुल सीएसआर खर्च का मात्र 3.5 प्रतिशत है. इसमें कहा गया है कि खाड़ी सहयोग परिषद, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के देशों में कुशल कामगारों की काफी कमी है - विशेष रूप से स्वास्थ्य, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और निर्माण क्षेत्र में कुशल लोगों की जरूरत है.

क्रिसिल की बिजनेस हेड बिनाइफर जहानी ने कहा कि सीएसआर निवेश को छिटपुट कौशल विकास गतिविधियों से कहीं आगे ले जाने की जरूरत है.

समाचार विशेष

आजमगढ़ बना यूपी की राजनीति का नया रणक्षेत्र

20 दिनों में दूसरी बार योगी का दौरा, 7 जिलों पर खास नजर

आजमगढ़. उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आज़मगढ़ सुर्खियों में है. यह वही जिला है, जिसे सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का गढ़ माना जाता है. लेकिन अब इस गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार एक्टिव नजर आ रहे हैं.

झ बीते 20 दिनों में सीएम योगी का यह आजमगढ़ में दूसरा बड़ा दौरा किया है, जिससे साफ है कि पूर्वांचल में सियासी बिसात बिछाई जा चुकी है. यूपी 2022 के चुनावों में पूर्वांचल के कई जिलों में बीजेपी कमजोर रही. ऐसे में सीएम योगी आजमगढ़ से चंदौली तक उस खाई को पाटने में जुट गए हैं. साल 2022 के विधानसभा चुनाव में पूर्वांचल बीजेपी के लिए कमजोर कड़ी साबित हुआ था. आजमगढ़ और अंबेडकरनगर जैसे जिलों में बीजेपी खाता भी नहीं खोल पाई थी, जबकि मऊ में भी पार्टी को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा. ऐसे में अब पार्टी नेतृत्व और सीएम योगी आदित्यनाथ की नजरें इस इलाके को फिर से साधने पर हैं.

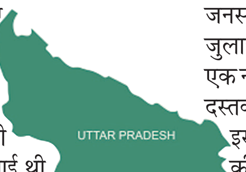

पूर्वांचल में डाले जा रहे हैं चुनावी बीज

बीते 20 जून को सीएम योगी आजमगढ़ और अंबेडकरनगर बॉर्डर पर एक बड़ी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं. अब 9 जुलाई को आजमगढ़-मऊ बॉर्डर पर फिर एक नई जनसभा के जरिए पूर्वांचल के दिल में दस्तक दी है. इससे साफ है कि बीजेपी अब इस पूरे क्षेत्र में जमीनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है.

यह दिलचस्प है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनों ही आजमगढ़ को सियासी पिच बनाकर आगे बढ़ रहे हैं. अखिलेश जहां इसे अपनी परंपरागत सीट और सपा की पहचान मानते हैं.

> **अखिलेश की नजरें भी इन 9 जिलों पर**
>
> हाल ही में अखिलेश यादव ने भी आजमगढ़ में अपने कैंप कार्यालय का उद्घाटन जोर-शोर से किया. इसको लेकर बाकायदा एक बड़ा कार्यक्रम तक आयोजित किया गया, जिसे न केवल आजमगढ़ बल्कि पूरे यूपी के कई जिलों से सपा के कार्यकर्ता और अखिलेश के समर्थन भाग लेने पहुंचे थे . इस कार्यक्रम को बड़े सियासी इवेंट के रूप में भी देखा गया . माना जा रहा है कि अखिलेश यादव इस कैंप कार्यालय के जरिये अपने पूर्वांचल के गढ़ को और ज्यादा मजबूत बनाए रखना चाहते हैं,

कांग्रेस के सामने सांप छुछुंदर वाली स्थिति

क्या करेगी कांग्रेस?

मुंबई. महाराष्ट्र में कांग्रेस के सामने सांप छुछुंदर वाली स्थिति हो गई. उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस से सलाह मशविरा किए बगैर राज ठाकरे के साथ तालमेल कर लिया. दोनों भाई एक हो गए. मराठी अस्मिता के नाम पर दोनों ने एक साथ रैली की और अब दोनों के कार्यकर्ता साथ साथ सड़कों पर उतरे हैं.

कांग्रेस के दूसरे सहयोगी शरद पवार को इससे कोई समस्या नहीं है, बल्कि कहा जा रहा है कि वे इस तालमेल के आर्किटेक्ट हैं. उन्होंने ठाकरे बंधुओं की नजदीकी बनवाई है और इसका मकसद एकनाथ शिंदे को कमजोर करके भाजपा में उनकी स्थिति खराब करना है. अगर वे कमजोर हुए तो फिर ठाकरे बंधुओं की एकजुट पार्टी फिर भाजपा के साथ जा सकती है. यानी महाराष्ट्र की राजनीति पुरानी नॉर्मल स्थिति में लौट सकती है.

> कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है कि वह क्या करे? बिहार में विधानसभा का चुनाव है और हिंदी भाषी लोगों पर हमले के बाद कांग्रेस पर सवाल उठने लगे हैं . उधर महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव आने वाले हैं, जिसमें यह स्पष्ट नहीं हो रहा है कि गठबंधन रहेगा या नहीं . कांग्रेस के नेता अकेले लड़ने की बात कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस के लिए राज ठाकरे के साथ जाना संभव नहीं है . भाषा और धर्म को लेकर उनकी राजनीति देश के दूसरे हिस्सों में कांग्रेस का बड़ा नुकसान कर सकती है . कांग्रेस की स्थिति अब माया मिली न राम वाली हो गई है .

पेमा खांडू की चीन को खरी-खरी

तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे पर खुल कर बयान

नई दिल्ली. चीन को तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी लाल आंख नहीं दिखा पाते हैं. उन्होंने एक बार लाल आंख दिखाई तो फिर फटाफट उसके साथ समझौता भी कर लिया.

केंद्र में जब कांग्रेस की सरकार थी तब गुजरात का मुख्यमंत्री रहते नरेंद्र मोदी बार बार केंद्र सरकार को ललकारते थे कि वह चीन को लाल आंख दिखाए. लेकिन खुद प्रधानमंत्री बने तो गलवान घाटी जैसी घटना के बाद भी चीन को लाल आंख नहीं दिखाई. लेकिन अब यह हिम्मत अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दिखाई है. पेमा खांडू ने चीन को लेकर वह कहा है, जो कहने की हिम्मत भारत का नेता पिछले 60 साल से नहीं कर रहे थे. खांडू ने कहा है कि भारत की सीमा तिब्बत से मिलती है, चीन से नहीं. यह सीधे चीन की अखंडता और उसकी संप्रभुता को चुनौती है. तभी खांडू के साहस को सैल्यूट किया जाना चाहिए.

अब सवाल है कि क्या खांडू ने अपनी तरफ से यह बयान दिया कि उनका बयान भारत के विदेश मंत्रालय से मंजूर हुआ है? क्योंकि यह बहुत बड़ा बयान है. पहली बार किसी ने तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे पर खुल कर बयान दिया है. अब तो दलाई लामा भी इस बारे में सोच समझ कर बोलते हैं. लेकिन कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे दोरजी खांडू के बेटे, जो अब भाजपा में हैं, ने सीधे चीन को चुनौती दी है. वे इतने पर ही नहीं रूके. उन्होंने यह भी कहा कि अगला दलाई लामा चुनने का अधिकार सिर्फ मौजूदा दलाई लामा को है और चीन के इस मामले में बिल्कुल हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए.

विशेष **आउटगोइंग होगी बंद, पार्टी ने सौंपी जिम्मेदारियां**

नागपुर में यूबीटी नेता हुए एक्टिव

नागपुर. महा विकास अघाड़ी की सरकार में उद्धव ठाकरे के सीएम रहते हुए जैसा उत्साह नागपुर सिटी सहित जिले के शिवसैनिकों में जो था, वह पार्टी के दो फाड़ होने और सत्ता जाने के बाद एक तरह से निराशा में बदल गया था.

जिले में अनेक पदाधिकारी व पूर्व विधायक भी सत्ताधारी शिंदे सेना में चले गए थे लेकिन अब ठाकरे बंधुओं के मराठी अस्मिता के मुद्दे पर एक साथ आने उत्साह देखा जा रहा है. इसके साथ ही पार्टी ने अपना संगठन मजबूत करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. पुराने लगभग निष्क्रिय हो चुके शिवसैनिकों को दोबारा जिम्मेदारियां सौंपकर सक्रिय किया जा रहा है. मनपा, जिला परिषद, नगर परिषद आदि की चुनावी तैयारी भी शुरू कर दी गई है.

पाला बदलुओं के खिलाफ नाराजगी- शिवसैनिकों में मौकापरस्त पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ नाराजी के सुर हैं जिनमें पूर्व संपर्क प्रमुख व विधायक के खिलाफ अधिक रोष है. शिवसैनिकों ने उनके शिंदे गुट में जाने को बेईमानी बताया है. जानकारी तो यह भी है कि ठाकरे बंधुओं के एकत्र आने के पूर्व एक जिला प्रमुख शिंदे गुट के टारगेट पर थे और उन्हें अपने पक्ष में लाने की पूरी तैयारी भी हो गई थी. जिला प्रमुख भी ऑफर पर विचार कर रहे थे लेकिन मराठी मुद्दा गरमाने के बाद उन्होंने पाला बदलकर अपना निर्णय बदल लिया. मनसे के साथ गठबंधन की पूरी संभावना को देखते हुए नई आशा का संचार शिवसैनिकों में देखा जा रहा है. चर्चा है कि नागपुर में सतीश हरडे की संपर्क प्रमुख पद पर नियुक्ति इसी के चलते की गई है.

> **पार्टी बदलने की तैयारी वालों का मन बदला**
>
> शिवसेना की टूट के बाद सत्ताधारी शिंदे गुट में सिटी सहित जिले के अनेक पदाधिकारी अपने समर्थकों के साथ चले गए . एक सीनियर पार्टी पदाधिकारी की मानें तो 1-2 बड़े पदाधिकारी भी पार्टी बदलने की तैयारी में थे लेकिन अब जैसा वातावरण तैयार हुआ है उसे देखते हुए वे अपना मन बदलकर उद्धव सेना के साथ ही रहने वाले हैं .